Pages of Progress: Book Donation Camp by NSS

Organized by: National Service Scheme (NSS), Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow
Guidance: Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Ajay Taneja
Programme Coordinator: Dr. Nalini Mishra
Programme Officer: Dr. Saima Aleem

The National Service Scheme (NSS) unit of Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow organized a book donation campaign titled **"Pages of Progress"** with the aim of promoting education and encouraging the habit of reading among children. The initiative focused on collecting useful and educational books to support the learning needs of children residing in the villages adopted by NSS volunteers. Through this campaign, the NSS unit sought to extend educational resources beyond the university campus and contribute to community development.

Objectives of the Campaign

The book donation drive was organized with the following objectives:

- To promote reading habits among children from adopted villages.
- To collect and donate educational books for community development.
- To encourage students and volunteers to actively participate in social service initiatives.
- To spread awareness about the importance of knowledge sharing and access to education.

Event Description

The program witnessed enthusiastic participation from students, faculty members, and NSS volunteers of the university. The event was conducted under the guidance of the Hon'ble Vice Chancellor **Prof. Ajay Taneja** and coordinated by **Dr. Nalini Mishra**, NSS Programme Coordinator. The campaign was organized under the supervision of **Dr. Saima Aleem**, NSS Programme Officer.

During the book donation drive, participants generously contributed books covering various subjects and areas of knowledge. In total, **21 books** were donated during the campaign. **Dr. Saima Aleem** personally contributed **17 books**, demonstrating her commitment to promoting education and knowledge sharing. Additionally, **Dr. Manish Kumar** contributed **four books**, supporting the initiative and encouraging others to participate in this meaningful activity.

The donated books will be utilized to support educational activities for children in the adopted villages and to encourage a culture of reading and learning within the community.

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में पुस्तक दान अभियान ज्ञान के प्रकाश का विस्तार

फोकस टाइम्स
लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा भव्य पुस्तक दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण में तथा एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें बडी संख्या में छात्र–छात्राएं, शिक्षकगण और एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सायमा अलीम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में दानदाताओं ने उदारता का परिचय देते हुए कुल 21 पुस्तकें विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी को समर्पित कीं। डॉ. सायमा अलीम ने स्वयं 17 मूल्यवान पुस्तकें दान कीं, जो विभिन्न विषयों जैसे साहित्य, मीडिया, भाषा विज्ञान और सामाजिक अध्ययन पर केंद्रित हैं। वहीं, मनीष कुमार ने 4 पुस्तकें दान कर इस नेक कार्य में योगदान दिया। इन पुस्तकों से विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी न केवल समृद्ध होगी, बल्कि छात्रों को विविध ज्ञान स्रोत उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पुस्तकों के असीम महत्व पर प्रकाश डाला। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामदास ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा, "पुस्तकें हमारे लिए गुरु का कार्य करती हैं। वे हमें जीवन के हर पहलू में मार्गदर्शन प्रदान करती हैं, ज्ञान का भंडार होती हैं और कभी थकती नहीं। आज के डिजिटल युग में भी पुस्तकों का स्थान अपरिहार्य है।" उनके उद्गारों ने उपस्थितजनों में उत्साह भर दिया। इसी क्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोहम्मद इरफान ने पुस्तकों को मानवीय संबंधों से जोड़ते हुए कहा, "पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। वे उसकी तन्हाई का साथी बनती हैं, कभी धोखा नहीं देतीं और न ही झगड़ती हैं। एक अच्छी पुस्तक जीवन भर का साथी बन जाती है।" उनके विचारों ने कार्यक्रम को भावनात्मक गहराई प्रदान करती हैं .

पुस्तक दान अभियान मनीष कुमार ने 4 पुस्तकें दान कर इस नेक कार्य में योगदान दिया

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में पुस्तक दान अभियानः ज्ञान के प्रकाश का विस्तार

बुलन्द संदेश ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुदीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा भव्य पुस्तक दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण में तथा एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण और एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सायमा अलीम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में दानदाताओं ने उदारता का परिचय देते हुए कुल 21 पुस्तकें विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी को समर्पित कीं। डॉ. सायमा अलीम ने स्वयं 17 मूल्यवान पुस्तकें दान कीं, जो विभिन्न विषयों जैसे साहित्य, मीडिया, भाषा विज्ञान और सामाजिक अध्ययन पर केंद्रित हैं। वहीं, मनीष कुमार ने 4 पुस्तकें दान कर इस नेक कार्य में योगदान दिया। इन पुस्तकों से विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी न केवल समृद्ध होगी, बल्कि छात्रों को विविध ज्ञान स्रोत उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पुस्तकों के असीम महत्व पर प्रकाश डाला। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामदास ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा, ह्रपुस्तकें हमारे लिए गुरु का कार्य करती हैं। वे हमें जीवन के हर पहलू में मार्गदर्शन प्रदान करती हैं, ज्ञान का भंडार होती हैं और कभी थकती नहीं। आज के डिजिटल युग में भी पुस्तकों का स्थान अपरिहार्य है।

उनके उद्गारों ने उपस्थितजनों में उत्साह भर दिया। इसी क्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोहम्मद इरफान ने पुस्तकों को मानवीय संबंधों से जोड़ते हुए कहा, ह्रपुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। वे उसकी तन्हाई का साथी बनती हैं, कभी धोखा नहीं देतीं और न ही झगड़ती हैं। एक अच्छी पुस्तक जीवन भर का साथी बन जाती है। उनके विचारों ने कार्यक्रम को भावनात्मक गहराई प्रदान करती हैं .

Newspaper coverage of the campaign.

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में पुस्तक दान अभियानः ज्ञान के प्रकाश का विस्तार

नेक्स्ट मीडिया

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा भव्य पुस्तक दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण में तथा एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण और एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सायमा अलीम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में दानदाताओं ने उदारता का परिचय देते हुए कुल 21 पुस्तकें विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी को समर्पित कीं। डॉ. सायमा अलीम ने स्वयं 17 मूल्यवान पुस्तकें दान कीं, जो विभिन्न विषयों जैसे साहित्य, मीडिया, भाषा विज्ञान और सामाजिक अध्ययन पर केंद्रित हैं। वहीं, मनीष कुमार ने 4 पुस्तकें दान कर इस नेक कार्य में योगदान दिया। इन पुस्तकों से विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी न केवल समृद्ध होगी, बल्कि छात्रों को विविध ज्ञान स्त्रोत उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पुस्तकों के असीम महत्व पर प्रकाश डाला। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामदास ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा, पुस्तकें हमारे लिए गुरु का कार्य करती हैं। वे हमें जीवन के हर पहलू में मार्गदर्शन प्रदान करती हैं, ज्ञान का भंडार होती हैं और कभी थकती नहीं। आज के डिजिटल युग में भी पुस्तकों का स्थान अपरिहार्य है। उनके उद्गारों ने उपस्थितजनों में उत्साह भर दिया। इसी क्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोहम्मद इरफान ने पुस्तकों को मानवीय संबंधों से जोड़ते हुए कहा, पुस्तकें इंसान की सच्ची मित्र होती हैं। वे उसकी तन्हाई का साथी बनती हैं, कभी धोखा नहीं देतीं और न ही झगड़ती हैं। एक अच्छी पुस्तक जीवन भर का साथी बन जाती है। उनके विचारों ने कार्यक्रम को भावनात्मक गहराई प्रदान करती हैं।

Media report about the event

Group photograph of donors and volunteers

Book donation drive